विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – अष्टम **दिनांक -18 - 01 - 2022**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक - पंकज कुमार**

सुप्रभात् बच्चों आज संधि के बारे में अध्ययन करेंगे।

(क) स्वर संधि -स्वर संधि यानी स्वरों का मेल। दो स्वरों के मेल से होने वाले परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं; जैसे- महा + आत्मा = महात्मा, हिम + आलय = हिमालय।
स्वर संधि के पाँच भेद होते हैं

1. **दीर्घ संधि**
2. **गुण संधि**
3. **वृधि संधि**
4. **यण संधि**
5. **अयादि संधि**

1. दीर्घ संधि -जब ह्रस्व या दीर्घ स्वर के बाद ह्रस्व या दीर्घ स्वर आएँ, तो दोनों के मेल से दीर्घ स्वर हो जाता है। इसे दीर्घ संधि कहते हैं; जैसे
परम + अर्थ = परमार्थ
सार + अंश = सारांश
न्याय + अधीश = न्यायधीश
देह + अंत = देहांत
मत + अनुसार = मतानुसार
भाव + अर्थ = भावार्थ

अ + आ = आ

- **हिम + आलय = हिमालय**
- **छात्र + आवास = छात्रावास**

आ + आ = आ - विद्या + आलय = विद्यालय, शिव + आलय = शिवालय।
इ + इ = ई - अभि + इष्ट = अभीष्ट, हरी + इच्छा = हरीच्छा।

ई + इ = ई - शची + इंद्र = शचींद्र, मही + इंद्र = महेंद्र।
ई + ई = ई - रजनी + ईश = रजनीश, नारी + ईश्वर = नारीश्वर
उ + उ = ऊ - भानु + उदय = भानूदय, लघु + ऊर्मि = लघूर्मि
उ + ऊ = ऊ - लघु + ऊर्मि = लघूर्मि,
ऊ + ऊ = ऊ - भू+ उर्जा = भूर्जा, भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

2. गुण संधि -अ/आ का मेल इ/ई से होने पर ए, उ + ऊ से होने पर ओ तथा ऋ से होने पर अर् हो जाता है। इसे गुण संधि कहते हैं; जैसे
अ/आ + इ + ई = ए - नर + इंद्र = नरेंद्र, नर + ईश = नरेश।
अ/आ + उ + ऊ = ओ - पर + उपकार = परोपकार, महा + उत्सव = महोत्सव।
अ/आ + ऋ + ऋ = अर - देव + ऋषि = देवर्षि, महा + ऋषि = महर्षि।

3. वृधि संधि -वृधि संधि में अ या आ के बाद यदि ए या ऐ हो तो दोनों का 'ऐ' होगा। यदि अ या आ के बाद ओ या आ
आए तो दोनों का 'ओ' होगा; जैसे
अ + आ + ए/ऐ = ऐ
एक + एक = एकैक, सदा + एव = सदैव
अ/आ + ओ + औ = औ = वन + औषधि = वनौषधि, जल + ओध = जलौध।